

संपूर्ण Pushpanjali Mantra – पूरा पाठ हिंदी अर्थ सहित

नीचे संपूर्ण मंत्र पुष्पांजलि दी गई है। इसे चार वैदिक भागों और गायत्री मंत्रों के संग्रह के रूप में पढ़ा जाता है —

प्रथम मंत्र

ॐ यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन् ।
ते ह नाकं महिमानः सचंत यत्र पूर्वे साध्याः संति देवाः ॥

Transliteration:

Om Yajnena Yajnamayajanta Devastani Dharmani Prathamanyaasan I
Te Ha Naakam Mahimanah Sachanta Yatra Poorve Sadhyaah Santi Devah II

शब्द अर्थ:

- यज्ञेन = यज्ञ के द्वारा
- यज्ञम् = प्रजापति की उपासना को
- अयजन्त = पूजा की
- देवाः = देवताओं ने
- नाकम् = स्वर्गलोक को
- महिमानः = महिमा को प्राप्त होकर

हिंदी अर्थ: देवताओं ने यज्ञ के माध्यम से परमेश्वर की आराधना की। यही धर्म की सर्वप्रथम विधि थी। यज्ञ और उपासना के बल पर महानता प्राप्त करके उन्होंने उस स्वर्गलोक को प्राप्त किया, जहाँ प्राचीन साधक और देव निवास करते हैं।

द्वितीय मंत्र

ॐ राजाधिराजाय प्रसह्य साहिने ।
नमो वयं वैश्रवणाय कुर्महे ।
स मस कामान् काम कामाय मह्यं ।
कामेश्वरो वैश्रवणो ददातु कुबेराय वैश्रवणाय ।
महाराजाय नमः ।

Transliteration:

Om Rajadhirajaya Prasahya Sahine I
Namo Vayam Vaishnavanaya Kurmahe I
Sa Masa Kamaan Kama Kamaya Mahyam I
Kameshvaro Vaishnavano Dadatu Kuberaya Vaishnavanaya I
Maharajaya Namah I

हिंदी अर्थ: हम राजाधिराज वैश्रवण (कुबेर) को नमन करते हैं, जो सभी को अनुकूल बनाने वाले हैं। कामेश्वर कुबेर की कृपा से हमारी समस्त कामनाएँ पूर्ण हों।

तृतीय मंत्र

ॐ स्वस्ति, साम्राज्यं भौज्यं स्वाराज्यं
वैराज्यं पारमेष्ठ्यं राज्यं महाराज्यमाधिपत्यमयं ।
समन्तपर्यायीस्यात् सार्वभौमः सार्वायुषः आन्तादापरार्धात् ।
पृथिव्यै समुद्रपर्यताया एकराळ इति ॥

Transliteration:

Om Swasti, Samrajyam Bhaujyam Swarajyam
Vairajyam Parameshthyam Rajyam Maharajyamadhipatyamayam I
Samantaparyayisyat Sarvabhaumah Sarvayushah Antadaparardhat I
Prithivyai Samudraparyantaya Ekaral Iti II

हिंदी अर्थ: हमारी इच्छा है कि हमारा राज्य सभी के कल्याण की प्राप्ति करे। यह लोककल्याणकारी, सुदीर्घ और धर्मयुक्त हो। समुद्र तक विस्तृत पृथ्वी पर हमारा राज्य सुरक्षित और स्थिर रहे।

चतुर्थ मंत्र

ॐ तदप्येषः श्लोकोभिगीतो ।
मरुतः परिवेशारो मरुतस्यावसन् गृहे ।
आविक्षितस्य कामप्रेर्विश्वेदेवाः सभासद इति ॥

Transliteration:

Om Tadapyeshah Shlokobhigito I
Marutah Pariveshtharo Marutasyavasan Grihe I
Avikshitasya Kamaprerviswedeva Sabhasada Iti II

हिंदी अर्थ: इस श्लोक में गाया गया है कि अविक्षित के पुत्र मरुती के माध्यम से हमें वह राज्य प्राप्त हो, जो राज्यसभा के समस्त देवों द्वारा परिवेष्टित है।

संपूर्ण मंत्र पुष्पांजलि – गायत्री मंत्र संग्रह

यह **पुष्पांजलि मंत्र** का वह भाग है जिसमें विभिन्न देवताओं को उनके गायत्री मंत्रों के साथ पुष्पांजलि समर्पित की जाती है –

हरिः ॐ एक दंताय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि । तन्नो दंती प्रचोदयात् ।
हरिः ॐ नारायण विद्महे वासुदेवाय धीमहि । तन्नो विष्णुः प्रचोदयात् ।
हरिः ॐ महालक्ष्म्यै च विद्महे विष्णु पत्न्यै च धीमहि । तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात् ।
हरिः ॐ नंद नन्दनाय विद्महे यशोदा नंदनाय धीमहि । तन्नो कृष्णः प्रचोदयात् ।
हरिः ॐ भास्कराय विद्महे दिवाकराय धीमहि । तन्नो सूर्यः प्रचोदयात् ।
हरिः ॐ अंजनी सुताय विद्महे वायुपुत्राय धीमहि । तन्नो हनुमत प्रचोदयात् ।
हरिः ॐ चतुर्मुखाय विद्महे हंसारुढाय धीमहि । तन्नो ब्रह्मा प्रचोदयात् ।
हरिः ॐ परमहंसाय विद्महे महाहंसाय धीमहि । तन्नो हंसः प्रचोदयात् ।
हरिः ॐ श्री तुलस्यै विद्महे विष्णुप्रियायै च धीमहि । तन्नो वृन्दा प्रचोदयात् ।
हरिः ॐ वृषभानुजायै च विद्महे कृष्णप्रियायै च धीमहि । तन्नो राधा प्रचोदयात् ।
हरिः ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि । तन्नो रुद्रः प्रचोदयात् ।

पुष्प अर्पण श्लोक

ॐ सेवन्तिका बकुल चम्पक पाटलाब्जै,
पुत्राग जाति करवीर रसाल पुष्पैः बिल्व प्रवाल ।
तुलसीदल मंजरीभिस्त्वां पूजयामि जगदीश्वर मे प्रसीद ॥

मंदार माला कुलितालकायै कपालमालांकित शेखराय
दिगम्बरायै च दिगम्बराय नमः शिवायै च नमः शिवाय ।

ॐ नाना सुगन्धि पुष्पाणि यथा कालो भवानी च,
पुष्पान्जलिर्मया दत्त ग्रहाण परमेश्वर ।

हिंदी अर्थ: हे जगदीश्वर! मैं सेवन्तिका, बकुल, चम्पक, पाटल, कमल, पुत्राग, जाती, करवीर, आम्र, बेल, प्रवाल और तुलसी के पत्तों से आपकी पूजा करता/करती हूँ। हे परमेश्वर! अनेक सुगंधित पुष्पों से यह पुष्पांजलि मैं आपको समर्पित करता/करती हूँ। आप इसे स्वीकार करें।

॥ मंत्रपुष्पांजली समर्पयामि ॥